भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या:3408

दिनांक 08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

गुजरात में एनपीएचएस

3408. श्री हरीभाई पटेलः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए मेहसाणा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित उत्तर गुजरात में की गई सुधारात्मक पहलों का ब्यौरा क्या है;
(ख) एकीकृत चिकित्सा प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में सरकार द्वारा मेहसाणा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित उत्तर गुजरात में संचालित किए जा रहे केंद्रीय अस्पतालों की संख्या कितनी है; और
(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा आयुष योजनाओं के अंतर्गत एकीकरण के लिए मेहसाणा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित उत्तर गुजरात में वित्तपोषित किए जा रहे संस्थानों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): आयुष मंत्रालय देश भर में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्र प्रायोजित योजना का कार्यान्वयन कर रहा है और आयुष चिकित्सा पद्धतियों के विकास और संवर्धन के उनके प्रयासों को राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार दवाइयों और थेरेपियों सहित विभिन्न कार्यकलापों के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करके समर्थन प्रदान कर रहा है। यह मिशन अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित कार्यकलापों के लिए प्रावधान करता है: -

i. मौजूदा आयुष औषधालयों और उप-स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन करके आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) का प्रचालन करना ।
ii. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधा केन्द्रों की सह-स्थापना करना।
iii. मौजूदा स्टैंडअलोन सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन करना ।
iv. मौजूदा सरकारी/ पंचायत /सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन /मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास) के लिए भवन का निर्माण /ऐसे क्षेत्र में नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण जहां आयुष सुविधा केंद्र मौजूद नहीं हैं ।

v. 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना करना।

vi. सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक औषधियों की आपूर्ति करना ।

vii. आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम I

viii. उन राज्यों में नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना, जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।

ix. आयुष स्नातक संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास /पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रम जोड़ना।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में सह-स्थित आयुष सुविधा केन्द्रों की स्थापना हेतु अवसंरचनात्मक सहायता हेतु गुजरात सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता का प्रावधान है। तदनुसार, राज्य सरकारें एनएएम दिशा-निर्देशों के प्रावधानों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं। तथापि, पिछले तीन वर्षों के दौरान एसएएपी के माध्यम से गुजरात राज्य सरकार से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार, जिला अस्पताल में सह-स्थित आयुष सुविधा केंद्र के लिए 12.96 लाख रुपये की राशि अनुमोदित की गई है ।

गुजरात सहित देश में राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रणाली में एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा की गई अन्य सुधारात्मक पहलों का विवरण इस प्रकार है:

- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) - नई दिल्ली में, एकीकृत चिकित्सा सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं, जिनमें निम्नलिखित इकाइयां हैं:
  - सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव आयुष थेरेपी (यूनानी , सिद्ध एवं होम्योपैथी)
  - इंटीग्रेटिव कैंसर केयर यूनिट
  - सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव डेंटिस्ट्री
  - सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव क्रिटिकल केयर एंड इमरजेंसी मेडिसिन
  - सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव ओर्थोपेडिक्स
  - सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव डाइटेटिक्स एंड न्यूट्रीशन
  - कैजुअल्टी ओपीडी सेक्शन

इसके अलावा, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) - नई दिल्ली द्वारा दूरस्थ नैदानिक सेवा इकाइयाँ निम्नानुसार उपलब्ध हैं: -

(क) सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में इंटीग्रेटिव मेडिकल सर्विसेज यूनिट ।

(ख) एम्स - झज्जर में इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी सेंटर (सीआईओ) यूनिट ।

(ग) लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी , उत्तराखंड में आयुर्वेद आरोग्य केंद्र ।

(घ) आरोग्य वन, एकता नगर, केवडिया वन प्रभाग, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र विकास और पर्यटन प्रशासन प्राधिकरण (एसओयूएडीटीजीए), गुजरात में आयुर्वेद आरोग्य केंद्र ।

- आयुष मंत्रालय ने अपने केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के माध्यम से आयुर्वेद के एकीकरण के लाभों और व्यवहार्यता की जाँच हेतु विभिन्न शोध अध्ययन किए हैं। इसके अतिरिक्त, बाह्य एक्स्ट्रामुरल अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत, आयुष मंत्रालय के अधीन भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और सीसीआरएएस ने एकीकृत स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करते हुए चिन्हित क्षेत्रों में अनुसंधान करने हेतु एम्स में आयुष -आईसीएमआर उन्नत एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र (एआई-एसीआईएचआर) की स्थापना की पहल की है । इस कार्यक्रम के अंतर्गत चार एम्स में चार अनुसंधान क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है, जो इस प्रकार हैं:

  क. एम्स दिल्ली: एडवांस्ड सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव हेल्थ रिसर्च इन गेस्ट्रो-इंटेस्टाइनल डिसॉर्डर और एडवांस्ड सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव हेल्थ रिसर्च इन वूमन एंड चाइल्ड हेल्थ

  ख. एम्स-जोधपुर: एडवांस्ड सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव हेल्थ रिसर्च इन जेरियाट्रिक हेल्थ

  ग. एम्स नागपुर: एडवांस्ड सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव हेल्थ रिसर्च इन कैंसर केयर

  घ. एम्स ऋषिकेश : एडवांस्ड सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव हेल्थ रिसर्च इन जेरियाट्रिक हेल्थ

- विभिन्न अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे एम्स भोपाल, एम्स भुवनेश्वर, एम्स रायपुर, एम्स गोरखपुर, एम्स पटना और एम्स ऋषिकेश में भी आयुष चिकित्सा सुविधा केन्द्र उपलब्ध हैं ।

- आयुष मंत्रालय के अंतर्गत एक विनियामक निकाय, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) ने आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने के लिए निम्नलिखित प्रयास किए हैं: -
  - एनसीआईएसएम ने आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध चिकित्सा पद्धति के लिए एमबीबीएस हेतु आयुष मॉड्यूल - ऐच्छिक इंटर्नशिप विकसित किया है।
  - राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (स्नातक आयुर्वेद शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम-2022 के विनियम 10 (7) के अनुसार, आयुर्वेद शिक्षण सामग्री के लिए पाठ्यक्रम में आधुनिक प्रगति का अनुपात 40 प्रतिशत तक होगा।

*****